

दरियाई षांई के बाल षां नही हैी

Why hippos have no hair



✎ Basilio Gimo, David Ker  
🔒 Carol Liddiment  
📄 Nandani  
🗣️ Hindi / English  
📊 Level 2



## Storybooks Mauritius



[global-asp.github.io/storybooks-mauritius](https://global-asp.github.io/storybooks-mauritius)

दरियाई षांई के बाल षां नही हैी / Why hippos

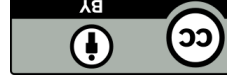
have no hair

Written by: Basilio Gimo, David Ker

Illustrated by: Carol Liddiment

Translated by: Nandani (hi)

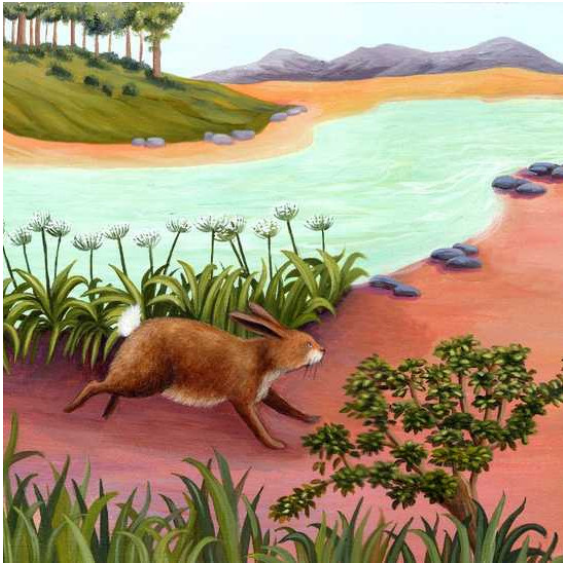
This story originates from the African Storybook ([africanstorybook.org](https://africanstorybook.org)) and is brought to you by Storybooks Mauritius in an effort to provide children's stories in Mauritius's many languages.



This work is licensed under a Creative Commons

[Attribution 3.0 International License](https://creativecommons.org/licenses/by/3.0).

<https://creativecommons.org/licenses/by/3.0>



एक दिन, खरगोश नदी किनारे घूम रहा था।

...

One day, Rabbit was walking by the riverside.

Hippo was there too, going for a stroll and eating some nice green grass.

...

ਦੁਲਿਯਾ ਫੋਇਲਾ ਸੁ ਵੱਲੋਂ ਯਾ, ਵਫ਼ ਮੌ ਰਹਾ ਯਾ ਆਰ ਕੁਝ ਆਲੀ ਬਾਸ  
 ਯਾ ਰਹਾ ਯਾ।





दरियाई घोड़े ने नहीं देखा कि खरगोश भी वहीं है उसने गलती से खरगोश के पैरों पर अपना पैर रख दिया। खरगोश दरियाई घोड़े पर चिल्लाने लगा, “तुम दरियाई घोड़े! तुम देख नहीं सकते कि मेरे पैरों पर अपना पैर रख रहे हो?”

...

Hippo didn't see that Rabbit was there and she accidentally stepped on Rabbit's foot. Rabbit started screaming at Hippo, “You Hippo! Can't you see that you're stepping on my foot?”



खरगोश खुश था कि दरियाई घोड़े के सारे बाल जल गए। और उस दिन से, आग के डर से, दरियाई घोड़ा पानी से दूर नहीं गया।

...

Rabbit was happy that Hippo's hair was burned. And to this day, for fear of fire, the hippo never goes far from the water.

Hippo apologised to Rabbit, "I'm so sorry. I didn't see you. Please forgive me!" But Rabbit wouldn't listen and he shouted at Hippo, "You did that on purpose! Someday, you'll see! You're going to pay!"

...

दरिद्राई घाई ने खरगोश से माफ़ी माँगी, "माफ़ करना मुझे। मैंने तुमको नहीं देखा। कृपया मुझे माफ़ कर दो।" लेकिन खरगोश ने उसकी बात नहीं सुनी और वह दरिद्राई घाई पर चिल्लाते लगा, "तुमने जान बूझकर किया है! किसी दिन, तुम देखना! तुम्हें भुगतना पड़ेगा।"



Hippo started to cry and ran for the water. All her hair was burned off by the fire. Hippo kept crying, "My hair has burned in the fire! My hair is all gone! My beautiful hair!"

...

दरिद्राई घाई ने रोना शुरू कर दिया और पानी के लिए दौड़ा। उसके सारे बाल जल गए थे। दरिद्राई घाई रो रहा था, "मेरे बाल जल गए! मेरे सारे बाल चले गए! मेरे सुंदर बाल!"





खरगोश मैदान में लगी आग के पास गया और बोला “जाओ, आग! दरियाई घोड़े को जला दो जब वह घास खाने पानी से बाहर आए। उसने मेरे पैरों को कुचला है!” आग ने उत्तर दिया, “कोई समस्या नहीं, खरगोश मेरे दोस्त। मैं वही करूँगी जो तुमने कहा।”

...

Rabbit went to find Fire and said, “Go, burn Hippo when she comes out of the water to eat grass. She stepped on me!” Fire answered, “No problem, Rabbit, my friend. I’ll do just what you ask.”



बाद में, दरियाई घोड़ा नदी से दूर घास खा रहा तभी, “बाप रे!” आग की लपटें धधकने लगीं। लपटें दरियाई घोड़े के बाल जलाने लगीं।

...

Later, Hippo was eating grass far from the river when, “Whoosh!” Fire burst into flame. The flames began to burn Hippo’s hair.